# 20 फीसदी एथनॉल वाला पेट्रोल ही बिकेगा!

**त्वेष मिश्र, अरिंदम मजूमदार और शाइन जैकब**
नई दिल्ली, 11 नवंबर

- **2023 से ई20 पेट्रोल देश में उपलब्ध हो जाएगा**
- **2025 से पहले तक ई20 और ई10 दोनों तरह के पेट्रोल उपलब्ध होंगे**
- **वाहन कंपनियों को ई20 पेट्रोल के अनुकूल वाहन तैयार करने होंगे**
- **वाहन कंपनियों ने मौजूदा वाहनों के प्रदर्शन और ईंधन खपत बढ़ने को लेकर जताई चिंता**
- **सरकार एथनॉल आपूर्ति बढ़ाने पर भी दे रही है ध्यान**

**भारत** सरकार का लक्ष्य 2025-26 से 20 फीसदी एथनॉल (ई20) मिश्रित पेट्रोल बेचने का है। मामले के जानकार अधिकारियों के अनुसार देश में बिकने वाले सभी वाहनों को 2025 से ई20 अनुपालन वाला बनाने की जरूरत होगी। इस कदम से वाहन विनिर्माताओं को अपने मौजूदा पेट्रोल इंजन वाले वाहनों को मिश्रित ईंधन के अनुरूप बदलना होगा। मंत्रिमंडल द्वारा एथनॉल खरीद मूल्य बढ़ाने के एक दिन बाद पेट्रोलियम सचिव तरुण कपूर ने कहा, '2025 से देश में केवल ई20 पेट्रोल बेचने का लक्ष्य है। ई20 मिश्रित पेट्रोल 2023 से उपलब्ध हो जाएगा। हालांकि इस दौरान अलग-अलग पेट्रोल पंपों पर ई10 और ई20 दोनों तरह के मिश्रित पेट्रोल उपलब्ध होंगे।'

उन्होंने कहा कि किसी एक पेट्रोल पंप पर ई20 का अलग से पंप नहीं होगा। मौजूदा पंप पर केवल ई20 एथनॉल मिश्रित पेट्रोल ही बिकेगा।

वाहन विनिर्माताओं ने कहा कि वह ई20 अनुपालन के लिए तैयार हैं मगर उनकी कुछ चिंताएं भी हैं। मारुति सुजूकी के वाहन पहले से ही ई10 अनुपालन वाले हैं और कंपनी 2023 से ई20 अनुकूल कारों का विनिर्माण शुरू करेगी।

मारुति सुजूकी इंडिया के मुख्य तकनीकी अधिकारी सीवी रमण ने कहा, 'जहां तक सरकार की बात है तो वह ई10 और ई20 अनुपालन को अनिवार्य करने पर विचार कर रही है। इसलिए हम इसका अनुपालन करेंगे... एथनॉल बड़ी तकनीक बनने जा रही है जिसका हम अपने उत्पादों में उपयोग करेंगे।' एक विदेशी कार कंपनी के कार्याधिकारी ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि इससे ग्राहकों की स्वीकार्यता को लेकर समस्या हो सकती है क्योंकि एथनॉल ईंधन वाले वाहन में ईंधन की खपत ज्यादा होगी और ई20 के लिए जिन वाहनों को विकसित नहीं किया गया है उसकी रखरखाव लागत भी बढ़ जाएगा।

पेट्रोलियम सचिव के अनुसार सरकार की मंशा ई100 या विशुद्ध एथनॉल वाले वाहन ईंधन की बिक्री भी बढ़ाने की है। उन्होंने कहा, 'ई100 ईंधन के लिए पेट्रोल पंपों पर अलग से पंप लगाना होगा क्योंकि मौजूदा वाहन इससे नहीं चल सकते हैं। ई100 का पुणे में अभी परीक्षण चल रहा है।' (शेष पृष्ठ 2 पर)